मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE-142

बी. ए. (सामान्य) (बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

बी.एस.के.ई.-142 : रंगमंच और नाट्यकला

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

$4 \times 15 = 60$

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं।

1. पठित अंश के आधार पर नाट्यगृह के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

2. चतुस्र नाट्यगृह की परिभाषा एवं परिणाम तथा विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. भरत के मतानुसार नाट्यगृह के भेद सहित **तीन** नाट्यगृहों का वर्णन कीजिए।

4. भूमिशोधन, विभाजन, स्थापन और भित्तिकर्म के आलोक में नाट्यगृह निर्माण विधि का वर्णन कीजिए।

5. आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी के मत में नाट्यगृह विषयक मान्यताओं का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

6. नाटक के भेदक तत्व के रूप में वस्तु को परिभाषित करते हुए कथावस्तु के भेद और उदाहरण का वर्णन कीजिए।

7. नायक का लक्षण क्या है ? पठित अंश के आधार पर नायक के भेद और उदाहरणों का वर्णन कीजिए।

8. कार्य की अवस्थाओं का लक्षणोदाहरणपूर्वक वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड—ख $4 \times 10 = 40$

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए **10** अंक निर्धारित हैं।

1. रंगपीठ और रंगशीर्ष का वर्णन कीजिए।

2. द्वार निर्माण से आप क्या समझते हैं ? विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

3. नाट्यगृह निर्माण विधि में नेपथ्यगृह तथा प्रवेश और निकास की व्यवस्था का उल्लेख कीजिए।

4. आधिकारिक तथा प्रासंगिक कथावस्तु का वर्णन कीजिए।

5. रस की परिभाषा बताते हुए विभाव तथा अनुभाव का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

6. जनान्तिक और आकाशभाषित का लक्षणोदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

7. नायक के भेदों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

8. नायिका भेदों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।